सीएसआईआर-सीरी में प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में दिनांक 22-23 अप्रैल, 2025 को नवनियुक्त एवं अन्य सहकर्मियों के लिए '**राजभाषा नीति का कार्यान्वयन तथा कार्यालयी कार्यों में टिप्पण एवं प्रारूप लेखन**' विषय पर प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को संघ की राजभाषा नीति सहित केंद्र सरकार के कार्मिकों के लिए लागू आचरण एवं अन्य नियमों से अवगत कराया गया। कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान में कार्यरत नए एवं अन्य कर्मचारियों को प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी, सहज उपयोग हेतु प्रशिक्षित करने के साथ-साथ संबंधित नियमों, प्रक्रियाओं और विधिक(लीगल) पहलुओं की जानकारी प्रदान करना था।

दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी तथा विशिष्ट अतिथि श्री संजीव शंकर

उद्घाटन सत्र

कार्यशाला का उद्घाटन 22 अप्रैल, 2025 को प्रातः 11 बजे संस्थान के पुराने सभागार में किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने की। इस अवसर पर श्री संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के निदेशक, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण, वित्त एवं लेखा नियंत्रक श्री राजेश कुमार पारीक, पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तँवर सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारी व कर्मचारी उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

उद्घाटन सत्र में सभागार में उपस्थित सहकर्मी

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में **डॉ पी सी पंचारिया**, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के संवर्धन और उसके उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया तथा उसके प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों/ कार्मिकों की सराहना की। उन्होंने नए सहकर्मियों सहित सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे समय का महत्व समझें।

भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत सहित अन्य मिशनों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी मिलकर यथासंभव सहयोग करें। उन्होंने सभी सहकर्मियों से सीएसआईआर के उद्देश्यों व लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बनने तथा सेवा भावना से कार्य करने का आह्वान किया।

उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि **श्री संजीव शंकर**, उपसचिव, सीएसआईआर-भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड, नई दिल्ली ने अपने संक्षिप्त संबोधन में प्रतिभागियों से कहा कि वे नियमों/विनियमों एवं कार्यालयी प्रक्रियाओं का अध्ययन करते रहें तथा सदा नया सीखने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की दुविधा होने पर वरिष्ठ अधिकारियों एवं अन्य साथियों से चर्चा करें।

विशिष्ट अतिथि श्री संजीव शंकर को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ पी सी पंचारिया

अतिथि सम्मान एवं धन्यवाद ज्ञापन

डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने विशिष्ट अतिथि श्री संजीव शंकर को संस्थान की ओर से **शॉल व स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन सत्र के अंत में श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक ने निदेशक एवं विशिष्ट अतिथि सहित कार्यशाला के आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया।

उद्घाटन सत्र में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

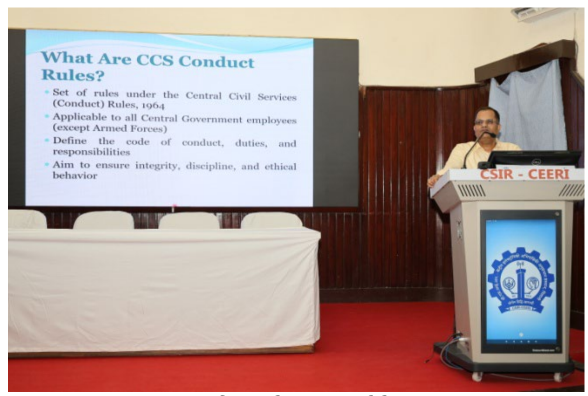

तकनीकी सत्र में व्याख्यान देते हुए श्री संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-आरएबी

तकनीकी सत्र में सभागार में उपस्थित सहकर्मी

इससे पूर्व कार्यक्रम संचालन करते हुए **श्री रमेश बौरा,** वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने अतिथियों का स्वागत किया और उपस्थित

प्रतिभागियों एवं अन्य सहकर्मियों को कार्यशाला के उद्देश्य एवं रूपरेखा से अवगत कराया।

कार्यशाला की रूपरेखा से अवगत कराते हुए
श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

तकनीकी सत्र

इस कार्यशाला के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों को संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन एवं डिजिटल टूल्स सहित आचरण नियमों, सतर्कता एवं विधिक मामलों, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा ई-ऑफिस आदि के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नवत है :

सत्र 1 (दिनांक : 22 अप्रैल, 2025)

1. विषय : आचरण नियम (केंद्रीय सिविल सेवा नियम)

वक्ता : श्री संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-आरएबी

2. विषय : सतर्कता एवं विधिक मामले

वक्ता : श्री संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-आरएबी

3. विषय : भारतीय संविधान तथा संघ की राजभाषा नीति

वक्ता : श्री मणि भूषण सिंह, हिंदी अधिकारी

संघ की राजभाषा नीति की जानकारी देते हुए
श्री मणिभूषण सिंह, हिंदी अधिकारी

कार्यालय पद्धति तथा कार्यालयी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन की जानकारी देते हुए श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

सत्र 2 (दिनांक 23 अप्रैल, 2025)

4. विषय : कार्यालय पद्धति – एक परिचय

वक्ता : श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

5. विषय : टिप्पण एवं प्रारूप लेखन

वक्ता : श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

राजभाषा का सहज उपयोग पर व्याख्यान देते हुए
श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

प्रतिभागियों को ई-ऑफिस से अवगत कराते हुए
श्री विनय सिंह, सहायक अनुभाग अधिकारी

सत्र 3 (दिनांक 23 अप्रैल, 2025)

6. विषय : राजभाषा का सहज उपयोग

वक्ता : श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

7. विषय : ई-ऑफिस परिचय एवं उपयोग

वक्ता : श्री विनय सिंह, सहायक अनुभाग अधिकारी

कार्यशाला के दौरान एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें श्री संजीव शंकर ने संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ **पदोन्नति एवं मूल्यांकन** से संबंधित विषयों पर चर्चा की तथा उन्हें तत्संबंधी आवश्यक परिवर्तनों से अवगत कराया।

कार्यशाला में प्रशासनिक कार्मिकों के अतिरिक्त वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का संयोजन एवं समन्वयन श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने किया।

<u>**कार्यशाला के कुछ अन्य चित्र**</u>

<u>**मीडिया में समाचार**</u>

दैनिक मृदुल पत्रिका

जयपुर, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025 RNI/RAJHIN/2008/27048 dainikmridulpatrika@gmail.com

दैनिक मृदुल पत्रिका | राजस्थान | शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025 | 3 | जयपुर

सीएसआईआर–सीरी में प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन

प्रतिभागियों को राजभाषा नीति सहित आचरण एवं अन्य नियमों से अवगत कराया

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में 22-23 अप्रैल को नवनियुक्त एवं अन्य सहकर्मियों के लिए दो दिवसीय प्रशासनिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन 22 अप्रैल को प्रातः 11 बजे संस्थान के पुराने सभागार में किया गया। उद्घाटन सत्र में संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने की। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान में कार्यरत नए एवं अन्य कर्मचारियों को प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं सहज प्रयोग हेतु प्रशिक्षित करना तथा संबंधित नियम, प्रक्रियाएँ और विधिक पहलुओं की जानकारी प्रदान करना था।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ पंचारिया ने राजभाषा हिंदी के संवर्धन और उसके उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नए सहकर्मियों सहित सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे समय का महत्व समझें। आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत सहित अन्य मिशनों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वे सीएसआईआर के उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक बनें तथा सेवा भावना से कार्य करें। विशिष्ट अतिथि श्री संजीव शंकर ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों से कहा कि अध्ययनरत रहते हुए सदा नया सीखने का प्रयास करें और दुविधा होने पर वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करें। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन सहित आचरण नियमों, सतर्कता एवं विधिक मामलों सहित टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यशाला के दौरान निम्नलिखित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए 1. आचरण नियम, सतर्कता एवं विधिक मामले - संजीव शंकर, उपसचिव, सीएसआईआर-आरएबी; 2. भारतीय संविधान तथा संघ की राजभाषा नीति - मणिभूषण सिंह, हिंदी अधिकारी, 3. कार्यालय पद्धति, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन - जयशंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक, 4. राजभाषा का सहज उपयोग- रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी तथा 5. ई-ऑफिस परिचय एवं उपयोग-विनय सिंह, सहायक अनुभाग अधिकारी

कार्यशाला के दौरान एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें संजीव शंकर ने संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ पदोन्नति एवं मूल्यांकन से संबंधित विषयों पर चर्चा की तथा उन्हें तत्संबंधी आवश्यक परिवर्तनों से अवगत कराया। कार्यशाला में प्रशासनिक कार्मिकों के अतिरिक्त वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। इस दो दिवसीय कार्यशाला का सफल संयोजन एवं समन्वयन वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा द्वारा किया गया।